भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2132

01 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

तिरूपति में आयुष से संबंधित कार्यकलाप

2132. श्री मड्डीला गुरूमूर्ति:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) विगत पाँच वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश राज्य, विशेषकर तिरुपति जिले में सरकार द्वारा शुरू किए गए आयुष के विकासोन्मुखी कार्यकलापों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार ने केंद्रीय क्षेत्र या केंद्र प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत आंध्र प्रदेश और तिरुपति जिले में कोई आयुष शैक्षिक या अनुसंधान संस्थान, स्वास्थ्य केंद्र या अस्पताल स्थापित किए हैं या स्थापित करने का प्रस्ताव है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त अवधि के दौरान राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) और अन्य योजनाओं के अंतर्गत राज्य और विशेषकर तिरुपति जिले को प्रदान की गई वित्तीय सहायता का ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार किसानों और उद्यमियों को सहायता प्रदान करके आंध्र प्रदेश और तिरुपति जिले में औषधीय पौधों की खेती और मूल्य-संवर्धन को बढ़ावा दे रही है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) ऐसी पहलों के अंतर्गत लाभार्थियों की संख्या कितनी है और कितने क्षेत्र शामिल हैं और आंध्र प्रदेश में तिरुपति जिले के ग्रामीण और जनजातीय बहुल क्षेत्रों में आयुष सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): जन स्वास्थ्य राज्य का विषय होने के कारण, आयुष संबंधी गतिविधियों का विकास और तिरुपति जिले सहित आंध्र प्रदेश में आयुष शैक्षणिक संस्थानों/स्वास्थ्य केंद्रों/अस्पतालों की स्थापना संबंधित राज्य सरकारों के अधिकार क्षेत्र में आती है। हालाँकि, राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की केंद्रीय प्रायोजित योजना के तहत, मंत्रालय एनएएम दिशानिर्देशों के मौजूदा प्रावधानों के भीतर राज्य वार्षिक कार्य योजनाओं (एसएएपी) के माध्यम से राज्य से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान करके तिरुपति जिले सहित राज्य में आयुष पद्धतियों के समग्र विकास और संवर्धन के लिए राज्य सरकार के प्रयासों का समर्थन कर रहा है। एनएएम के तहत, पिछले 05 वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश को एसएएपी के माध्यम से राज्य से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार, 2882.592 लाख रुपये की समेकित सहायता अनुदान राशि प्रदान की गई। पिछले 05 वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश की समर्थन की गई प्रमुख गतिविधियाँ **संलग्नक-I** में दी गई हैं और राज्य सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार तिरुपति जिले को आवंटित निधियों का ब्यौरा **संलग्नक-II** में दिया गया है।

(घ): आंध्र प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आंध्र प्रदेश औषधीय एवं सुगंधित पादप बोर्ड (एपीएमएपीबी) ने दिनांक 25 फरवरी, 2025 को आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के

आरएएसएस-केवीके में "नन्नारी- खेती, कटाई उपरांत प्रबंधन और विपणन अवसर" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम के माध्यम से लगभग 60 किसान लाभान्वित हुए हैं।

इसके अलावा, आयुष मंत्रालय के अंतर्गत राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (एनएमपीबी) "औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन" के लिए एक केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का कार्यान्वयन करता है। यह योजना विभिन्न प्रकार के हर्बल गार्डन स्थापित करने और औषधीय पादप प्रजातियों से संबंधित अभियानों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। एनएमपीबी ने आंध्र प्रदेश, विशेष रूप से तिरुपति जिले में, निम्नलिखित परियोजनाओं को समर्थन दिया है: एक हर्बल गार्डन स्थापित करने की परियोजना, जिसके लिए 10.80 लाख रूपये की वित्तीय सहायता दी गई है। आंध्र प्रदेश, विशेष रूप से तिरुपति जिले, में 18.90 लाख रूपये की वित्तीय सहायता से अश्वगंधा अभियान की एक परियोजना संचालित की गई है।

विगत में भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने वित्तीय वर्ष 2015-16 से 2020-21 तक पूरे देश में औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय आयुष मिशन (एनएएम) की औषधीय पादप घटक केंद्रीय प्रायोजित योजना को लागू किया था। योजना के दिशानिर्देशों के अनुसार, निम्नलिखित के लिए सहायता प्रदान की गई:

(i) किसान की भूमि पर प्राथमिकता वाले औषधीय पौधों की खेती।
(ii) गुणवत्तापूर्ण रोपण सामग्री की आपूर्ति और उत्पादन के लिए बैकवर्ड लिंकेज सहित नर्सरियों की स्थापना।
(iii) फॉरवर्ड लिंकेज के साथ कटाई उपरांत प्रबंधन।
(iv) प्राथमिक प्रसंस्करण, विपणन अवसंरचना आदि।

राष्ट्रीय आयुष मिशन योजना के औषधीय पादप घटक के अंतर्गत आंध्र प्रदेश औषधीय एवं सुगंधित पादप बोर्ड (एपीएमएपीबी), आंध्र प्रदेश को स्वीकृत निधि का ब्यौरा **संलग्नक-III में दिया गया है।**
इसके अलावा, औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन हेतु एनएमपीबी की केंद्रीय क्षेत्रीय योजना के प्रावधानों के अनुसार, एसएमपीबी को वार्षिक आधार पर न्यूक्लियस केंद्र रखरखाव अनुदान प्रदान किया जाता है। राज्य औषधीय पादप बोर्ड (एसएमपीबी), आंध्र प्रदेश को न्यूक्लियस केंद्र रखरखाव अनुदान **जारी किया गया है, जिसका** वित्त वर्ष 2020-21 से अब **तक का ब्यौरा संलग्नक-IV** में दिया गया है।

आयुष मंत्रालय का राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, औषधीय पौधों के संरक्षण, विकास और सतत प्रबंधन हेतु केंद्रीय क्षेत्रीय योजना (सीएसएस) के अंतर्गत जागरूकता क्षमता निर्माण कार्यक्रम, एक्सपोज़र विज़िट, सूचना, शिक्षा और संचार (आईईसी) के माध्यम से हितधारकों की शिक्षा और क्षमता निर्माण के लिए विभिन्न संस्थानों/संगठनों को सहायता प्रदान करता है और किसानों या उद्यमियों को औषधीय पौधों की खेती के लिए प्रोत्साहित करता है। वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक आईईसी गतिविधियों के अंतर्गत समर्थित परियोजनाओं का ब्यौरा, एनएमपीबी के आईईसी के अंतर्गत सहायता का ब्यौरा **संलग्नक-V** में दिया गया है।

(ङ): आंध्र प्रदेश राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, लाभार्थियों की संख्या और ऐसी पहलों के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र तथा आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों में आयुष सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए उठाए जा रहे कदमों का **ब्यौरा संलग्नक-VI में दिया गया है।**

*****

संलग्नक-I

चालू वर्ष सहित पिछले पांच वर्षों के दौरान एसएएपी के माध्यम से राज्य से प्राप्त प्रस्तावों के अनुसार आंध्र प्रदेश में समर्थित प्रमुख पहल/गतिविधियाँ:

(i) आंध्र प्रदेश में काकीनाडा और विशाखापत्तनम में 50 बिस्तरों वाले एकीकृत आयुष अस्पतालों (आईएएच) की 02 इकाइयों को मंजूरी दी गई है।

(ii) आंध्र प्रदेश में बुनियादी ढांचे के उन्नयन के लिए 04 आयुष अस्पतालों को सहायता प्रदान की गई है।

(iii) पिछले 05 वर्षों के दौरान आंध्र प्रदेश में 05 आयुष सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों को समर्थन दिया गया है।

(iv) आंध्र प्रदेश में 126 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) और प्रत्येक वर्ष औसतन 92 सह-स्थित आयुष सुविधाओं को आवश्यक आयुष दवाओं की आपूर्ति के लिए सहायता प्रदान की गई है।

(v) आंध्र प्रदेश में नए आयुष शैक्षणिक संस्थान की स्थापना के लिए 01 इकाई को सहायता प्रदान की गई।

(vi) आंध्र प्रदेश में 02 स्नातकोत्तर को बुनियादी ढांचे, पुस्तकालय और अन्य चीजों के उन्नयन के लिए समर्थन दिया गया है ।

(vii) कुल 12500 आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में से आंध्र प्रदेश में 126 एएएम (आयुष) को मंजूरी दी गई है।

संलग्नक-II

राज्य सरकार द्वारा दी गई रिपोर्ट के अनुसार तिरुपति जिले को आवंटित निधियों का ब्यौरा

क्र. सं.	**जिले का नाम**	**अनुमोदित आयुष्मान आरोग्य मंदिर का नाम**	**जारी की गई राशि रुपये में**	**व्यय रुपये में**
1	तिरुपति	चैंगनागुंटा	908507	908507
2		कुरुगोंडा	862329	862329
3		मोमिदी	801721	801721
4		मंगलम परियोजना	829848	829848
कुल:			3402405	3402405

संलग्नक-III

राष्ट्रीय आयुष मिशन (2015-16 से 2020-21) के तहत आंध्र प्रदेश को औषधीय पौधों की खेती, बुनियादी ढांचे (कटाई के बाद प्रबंधन इकाइयां, नर्सरियों, संग्रह केंद्रों, प्राथमिक प्रसंस्करण इकाइयां आदि) के लिए अनुमोदित निधियों का ब्यौरा।

वर्ष	**अनुमोदित निधि (राज्य के हिस्से सहित)** **(लाख रुपये में)**
2015-16	133.780
2016-17	455.88
2017-18	211.872
2018-19	128.586
2019-20	314.9084
कुल	**1245.0264**

संलग्नक-IV

वित्त वर्ष 2020-21 से अब तक राज्य औषधीय पादप बोर्ड (एसएमपीबी) आंध्र प्रदेश को जारी किया गया न्यूक्लियस केंद्र रखरखाव अनुदान

(लाख रुपये में)

क्र. सं.	**एसएमपीबी का नाम**	**2020-21**	**2021-22**	**2022-23**	**2023-24**	**2024-25**
1.	**आंध्र प्रदेश**	31.38	21.78	-	35.00	35.00

संलग्नक-V

वित्तीय वर्ष 2020-21 से 2024-25 तक आईईसी गतिविधियां, एनएमपीबी के तहत समर्थित परियोजना का विवरण।

क्र. सं.	**परियोजना का विवरण**	**परियोजना का शीर्षक**	**संगठन**	**स्वीकृत राशि (लाखों में)**	**जारी की गई निधि (लाख में)**
1	आईईसी/एपी-01/2021-22-एनएमपीबी	ग्रामीण किसानों के आर्थिक विकास के लिए औषधीय पौधों की खेती और संरक्षण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी	साईं राधा कृष्ण एजुकेशन सोसायटी, तिरूपति, चित्तूर, आंध्र प्रदेश	5.00	5.00
2	आईईसी/एपी-02/2024-25-एनएमपीबी	भारत में औषधीय पौधों के क्षेत्र में संभावनाओं और चुनौतियों पर राष्ट्रीय सम्मेलन।	साईं राधा कृष्ण एजुकेशन सोसायटी, तिरूपति, चित्तूर, आंध्र प्रदेश	5.00	5.00

संलग्नक-VI

दिनांक 24 अप्रैल से 25 जून तक **आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) में लाभार्थियों का ब्यौरा**			
क्र. सं.	**जिले का नाम**	**अनुमोदित किए गए** **आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष) का नाम**	**राज्य सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार तिरुपति जिले के लाभार्थी**
1	तिरुपति	चेंगनागुंटा	**6814**
2		कुरुगोंडा	**4372**
3		मोमिदी	**2613**
4		मंगलम परियोजना	**11374**
कुल:			**25173**